रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 31 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रु.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक

हमारी खुशहाली भारत से अच्छे संबंधों पर टिकी...

बांग्लादेश के हालातों को लेकर यूनुस पर बरसीं शेख हसीना

रणजीत टाइम्स

बांग्लादेश में स्थिति फिर से खराब हो गई है. वहां पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा हो रही है, जगह-जगह तोड़फोड़ और आगजनी के मामले सामने आ रहे हैं. वहां भारत विरोधी प्रदर्शनों में भी तेजी आई है. बदलते हालात के बीच बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा कि यूनुस के दौर में वहां पर कानून व्यवस्था खराब हो गई है

वहां पर हिंसा आम बात हो गई है. भारत विरोधी प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि यह देश के हित में नहीं है. हमारी खुशहाली और सुरक्षा भारत के साथ अच्छे रिश्तों पर टिकी है. पिछले साल ढाका में छात्रों और अन्य लोगों के भारी प्रदर्शन के बीच देश छोड़कर भारत आने वाली बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने समाचार एजेंसी एएनआई को ई-मेल के जरिए अपने इंटरव्यू में इस्लामी प्रभाव और सुरक्षा मसलों पर चिंता जताते हुए कहा, "मैं इस चिंता को समझती हूं, और बड़ी संख्या में बांग्लादेशी भी ऐसा ही सोचते हैं जो उस सुरक्षित, धर्मनिरपेक्ष देश को पसंद करते हैं जो हम कभी हुआ करते थे."।

उन्होंने आगे कहा, "यूनुस ने चरमपंथियों को कैबिनेट जैसे अहम पदों पर बिठा दिया है, जबकि दोषी आतंकवादियों को जेल से रिहा किया गया है, अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों से जुड़े कई ग्रुपों को सार्वजनिक जीवन में भूमिका निभाने की अनुमति दी गई है."।

मध्य प्रदेश की राजनीति में फिर... हलचल तेज हो गई है...

रणजीत टाइम्स

राज्य में लंबे समय से लंबित निगम और मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। इसी बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अचानक दिल्ली दौरे ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी है। राजनीतिक गलियारों में माना जा रहा है कि नियुक्तियों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए यह दौरा बेहद अहम है।

सीएम मोहन यादव ने नई दिल्ली पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की है। उन्होंने भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट की। इस दौरान सीएम ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और गुलदस्ता भेंट किया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात और संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई।

सूची पर मंथन

प्रदेश में कई निगम और मंडलों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद खाली हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इन पदों पर नियुक्ति की आस लगाए बैठे हैं। चर्चा है कि प्रदेश स्तर पर कुछ नामों को शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है, लेकिन अंतिम मुहर दिल्ली दरबार से ही लगनी है। सीएम के इस दौरे को इसी कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है।

मंत्रियों से भी मिले सीएम

अपने दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने केवल संगठन के नेताओं से ही नहीं, बल्कि सरकार के प्रमुख मंत्रियों से भी मुलाकात की।

उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। इसके अलावा, सीएम यादव ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से भी भेंट की। इन मुलाकातों को राज्य के विकास कार्यों और केंद्र से मिलने वाली मदद के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दावेदारों की धड़कनें तेज

मुख्यमंत्री के दिल्ली पहुंचते ही भोपाल में लॉबिंग का दौर भी शुरू हो गया है। जिन नेताओं को उम्मीद है कि उन्हें निगम-मंडलों में जगह मिल सकती है, उनकी निगाहें अब दिल्ली से आने वाले फैसले पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद से ही इन नियुक्तियों की प्रतीक्षा की जा रही थी, और अब जल्द ही सूची जारी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि सीएम मोहन यादव इससे पहले भी कई बार दिल्ली जाकर शीर्ष नेतृत्व से मिल चुके हैं, लेकिन इस बार का दौरा खास तौर पर संगठनात्मक नियुक्तियों के लिहाज से निर्णायक माना जा रहा है।

'ललिता सहस्त्रनाम'

वर्णित कुण्डलिनी शक्ति की जागृति का माध्यम है सहजयोग

प्रकृति व पुरुष की सृजनकर्ता आदिशक्ति त्रिगुणात्मिका हैं । वह चितरूपिणी महासरस्वती , सद्रूपिणी महालक्ष्मी और आनन्द रूपिणी महाकाली हैं परमपूज्य श्रीमाताजी निर्मलादेवी आदिशक्ति भगवती का अवतार है । आज सहजयोग को 'महायोग' और श्रीमाताजी को महाअवतरण कहा जाता है , क्योंकि उन्होंने मानव के विकास को अगले चरण में पहुँचाकर साक्षात्कार की प्रक्रिया को सहज सुलभ बना दिया । क्रमिक उत्क्रांतिवाद की परम्परा में अमीबा से मानव का विकास होने के बाद भी मनुष्य के केवल तीन आयाम सार्वजनिक रूप से होते थे, जिसे दैहिक, दैविक और भौतिक या स्वप्न जागृती और सुषुप्ति कहा गया । वैदिक काल में ऋषि मुनियों ने अध्यात्म की खोज

कर आत्मा को खोज निकाला, जिसका वर्णन सारे वेद पुराण और उपनिषद् कर रहे हैं । आज सहजयोग में जब हम विनम्रतापूर्वक अपना आत्मसाक्षात्कार मांगते हैं, तो हमारे पिंड में स्थित कुंडलिनी शक्ति उर्ध्वगामी होकर हमें तत्क्षण निर्विचार समाधी प्रदान करती है, और हमारे ब्रह्मरंध्र से और हाथों की उंगलियों के पोरों से शीतल चैतन्य लहरीयां निसृत होती हैं, इस प्रक्रिया के दौरान साधक की आत्मा प्रकाशित होती है, और वह साधक अपनी अध्यात्मिक यात्रा पर अग्रसर होता है ।'देवी भागवत पुराण' में श्री मार्कण्डेय ऋषि हमें बताते हैं कि आप शक्ति को इस बात से पहचान सकते हैं कि उस शक्ति की उपस्थिती में साधक की कुण्डलिनी शक्ति का जागरण होता है । ५ मई १९७० तक यह एक रहस्य था सच तो यह है कि २१ वीं सदी के आधुनिक युग में जो आश्चर्यजनक अनुभव हमें हो रहे हैं, इनमें पुराने ग्रंथों का प्रासंगिक महत्व प्रकट हुआ है ।

इंदौर और मध्य भारत के लिए एशियन वॉटरबर्ड सेंसस 2026 क्यों महत्वपूर्ण है

इंदौर (मध्य प्रदेश वन विभाग, भोपाल द्वारा 19 दिसंबर 2025 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के आधार पर)

आदित्य शर्मा

मध्य प्रदेश में प्रस्तावित एशियन वॉटरबर्ड सेंसस (AWC) 2026, जो 3 और 4 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाना है, इंदौर और इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। तेजी से हो रहे शहरी विस्तार, भूमि उपयोग में बदलाव और जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव के कारण जिले की आर्द्रभूमियाँ (वेटलैंड्स) लगातार संवेदनशील होती जा रही हैं। इस राज्यव्यापी गणना की तैयारियों और कार्यप्रणाली को मध्य प्रदेश वन विभाग, भोपाल द्वारा आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान अंतिम रूप दिया गया, जिसमें सभी वन मंडलों के अधिकारियों के लिए मानकीकृत डिजिटल प्रोटोकॉल और समन्वित फील्ड सर्वे की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

जैव विविधता के संकेतक के रूप में इंदौर की आर्द्रभूमियाँ

इंदौर जिले में झीलों, जलाशयों और मौसमी जलभराव क्षेत्रों का एक विस्तृत नेटवर्क है, जो प्रवासी और स्थानीय जलपक्षियों के लिए शीतकालीन प्रवास और ठहराव के महत्वपूर्ण स्थल हैं। सेंसस के दौरान दर्ज की जाने वाली पक्षियों की प्रजातियाँ और उनकी संख्या, आर्द्रभूमियों की स्थिति का प्रारंभिक संकेत देती हैं, जिनसे जल गुणवत्ता, आवास की स्थिरता और भोजन की उपलब्धता का आकलन संभव होता है। नियमित और वैज्ञानिक रूप से तुलनात्मक गणनाएँ वन एवं संरक्षण प्रबंधकों को दीर्घकालिक प्रवृत्तियों को समझने, अतिक्रमण, प्रदूषण या यूट्रोफिकेशन जैसी उभरती चुनौतियों की पहचान करने और समय रहते पुनर्स्थापनात्मक उपाय अपनाने में मदद करती हैं।

नागरिक विज्ञान आधारित संरक्षण मॉडल

एशियन वॉटरबर्ड सेंसस को दुनिया भर में एक ऐसे कार्यक्रम के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रशिक्षित नागरिकों और वन विभाग के कर्मियों की सहभागिता होती है। इंदौर में यह सहयोगात्मक मॉडल निम्नलिखित समूहों की विशेष भूमिका को रेखांकित करता है-पक्षी प्रेमी (बर्डवॉचर्स), जिनकी प्रजाति पहचान की दक्षता डेटा की गुणवत्ता को मजबूत करती है-आर्द्रभूमि संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता, जो पक्षी आंकड़ों को स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों से जोड़ते हैं-प्रकृति प्रेमी और विद्यार्थी , जो सहभागिता, निरंतरता और भविष्य की संरक्षण चेतना को आगे बढ़ाते हैं-सामान्य नागरिक, जिनकी भागीदारी आर्द्रभूमियों के प्रति सामुदायिक स्वामित्व की भावना विकसित करती है eBird डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े प्रत्येक चेकलिस्ट के माध्यम से इंदौर से प्राप्त आंकड़े एक वैश्विक स्तर पर तुलनात्मक डेटासेट का हिस्सा बनते हैं, जिसका उपयोग वैज्ञानिक, योजनाकार और अंतरराष्ट्रीय संरक्षण संस्थाएँ करती हैं।

विश्वसनीय आंकड़ों के लिए मानकीकृत कार्यप्रणाली

सभी प्रतिभागियों को एशियन वॉटरबर्ड सेंसस eBird प्रोजेक्ट के अंतर्गत पंजीकरण करना होगा, जिससे स्थान-आधारित और समय-संलग्न डेटा संग्रह सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही एशियन वॉटरबर्ड सेंसस वेटलैंड असेसमेंट फॉर्म भी भरा जाएगा, जिसमें आवास की स्थिति और मानवीय दबावों का विवरण दर्ज किया जाएगा।

प्रत्येक फील्ड टीम में कम से कम तीन सदस्य होंगे, जिनमें पक्षी पहचान और बुनियादी आईटी कौशल का संयोजन आवश्यक होगा। टीमों को विशिष्ट जल निकायों से जोड़ा जाएगा ताकि सभी स्थलों की पूर्ण कवरेज सुनिश्चित हो सके और दोहराव से बचा जा सके।

सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और निगरानी व्यवस्था

डेटा की विश्वसनीयता और प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा एकरूप दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें शामिल हैं—

पक्षी पहचान से संबंधित संदर्भ सामग्री का वितरण

आवश्यकता अनुसार परिवहन एवं फील्ड लॉजिस्टिक्स सहायता

सीमित संख्या में फील्ड गतिविधियों के फोटोग्राफिक साक्ष्य

सभी स्वयंसेवकों से सहमति और क्षतिपूर्ति (इंडेम्निटी) प्रपत्रों का संकलन फील्ड स्तर पर कार्यान्वयन की निगरानी रेंज अधिकारी एवं उप वनमंडल अधिकारी करेंगे, जबकि समस्त जिले में समन्वय और निगरानी का दायित्व वनमंडल अधिकारियों के पास रहेगा।

जनभागीदारी क्यों आवश्यक है अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आर्द्रभूमि संरक्षण केवल नियमों के माध्यम से संभव नहीं है। पक्षियों और आर्द्रभूमियों के प्रति जन-जागरूकता इन्हें उपेक्षित स्थलों से मूल्यवान पारिस्थितिक तंत्र में परिवर्तित करती है। इंदौर जैसे शहरी क्षेत्रों में, जहाँ आर्द्रभूमियाँ बाढ़ नियंत्रण, भूजल पुनर्भरण और स्थानीय जलवायु संतुलन में भी भूमिका निभाती हैं, नागरिक सहभागिता संरक्षण को और मजबूत बनाती है।

विशेष रूप से विद्यार्थियों की भागीदारी को दीर्घकालिक संरक्षण चेतना के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण माना गया है, जिससे कक्षा आधारित ज्ञान को वास्तविक पर्यावरणीय निगरानी से जोड़ा जा सके। व्यापक संरक्षण परिप्रेक्ष्य

राष्ट्रीय स्तर पर भारत में 1,300 से अधिक चिन्हित आर्द्रभूमियाँ और 96 रामसर स्थल हैं, जबकि कई छोटी आर्द्रभूमियाँ स्थानीय स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मध्य प्रदेश में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण द्वारा 150 से अधिक प्राथमिक आर्द्रभूमियों की पहचान की गई है। इनकी कवरेज के लिए इसरो द्वारा तैयार वेटलैंड्स एटलस को मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में उपयोग करने की सलाह दी गई है। इंदौर जैसे जिलों से उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ों के माध्यम से मध्य प्रदेश न केवल अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता निगरानी में अपनी भागीदारी सशक्त करता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्द्रभूमि संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए एक ठोस वैज्ञानिक आधार भी विकसित करता है।

गणना की तिथियों में लगभग दो सप्ताह शेष रहते हुए, वन विभाग और नागरिक प्रतिभागियों से आग्रह किया गया है कि वे समय रहते पंजीकरण और समन्वय पूरा करें, ताकि एशियन वॉटरबर्ड सेंसस 2026 एक वैज्ञानिक रूप से मजबूत और सामुदायिक सहभागिता आधारित अभ्यास बन सके।

प्रदीप मिश्रा, आईएफएस
वनमंडलाधिकारी,इंदौर

परिवीक्षाधीन IPS ऑफिसर्स ने किया इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का भ्रमण

प्रशिक्षु आईपीएस ऑफिसर्स ने CCTV सर्विलांस, कंट्रोल रूम व पुलिस आयुक्त न्यायालय की कार्यवाही के साथ ही जानी, पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली

आदित्य शर्मा

इंदौर - पुलिस अधिकारियो की कार्यदक्षता को और बेहतर करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देशन मे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में समय-समय पर किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में 77 आर.आर. आईपीएस बैच के मध्य प्रदेश कैडर के 09 परिवीक्षाधीन आईपीएस ऑफिसर्स के लिए जिला व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत आज दिनांक 22.12.25 को उन्हें इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का भ्रमण कराया गया।

उक्त भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (का./व्य.) श्री अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्या.) श्री आर.के. सिंह सहित नगरीय इंदौर के सभी डीसीपीगण ने, नवागत प्रशिक्षु परिवीक्षाधीन आईपीएस ऑफिसर्स को, पुलिस कमिश्नरेट इंदौर की कार्यप्रणाली से रूबरू करवाया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा सभी परिवीक्षाधीन आईपीएस ऑफिसर्स को इंदौर पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी दी, और बेहतर पुलिसिंग व आमजन के हित में इंदौर पुलिस द्वारा संचालित विभिन्न नवाचारों ट्रैफिक प्रहरी, ट्रैफिक हेल्पलाइन, सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र, जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम- 'नेत्रम', मोहल्ला मीटिंग आदि की कार्यप्रणाली व सफलताओं से भी अवगत करवाते हुए, सभी को और बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी। पुलिस कमिश्नरेट इंदौर भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली के बारें में बताते हुए, सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, डायल-112 और पुलिस कंट्रोल रुम की संरचना व कार्यवाही, सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र द्वारा किस प्रकार सामान्य विवादों में कार्यवाही की जाती है तथा पुलिस कमिश्नरेट की न्यायालयीन कार्यप्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

आबकारी इन्दौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर, श्रीमान् शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमति विनीता सागर के नेतृत्व में आज दिनांक 22.12.2025 को वृत्त - राजमोहल्ला प्रभारी मीना माल की टीम के द्वारा नगर निगम एम जी रोड से अवैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई । की कार्यवाही में एक दोपहिया वाहन जेस्ट 110 मोटरसाइकिल क्रमांक MP09-UP-5665 से अवैध मदिरा परिवहन कर ले जाई जा रही 50 पाव देशी मसाला मदिरा एक झोले में बरामद की गई। आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। मदिरा वाहन सहित जप्त कर फरार आरोपी के विरुद्ध *आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मदिरा व वाहन का कुल बाजार

मूल्य लगभग 53750/- रुपए है। प्रकरण में विवेचना जारी है। कार्यवाही में आबकारी आरक्षक श्री ओमप्रकाश साहू , विक्रम यादव का सराहनीय योगदान रहा ।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक

खनियाधाना विकासखंड में पहाड़ा प्रतियोगिता का ऐतिहासिक आयोजन

टॉप 5 छात्रों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को कलेक्टर महोदय से संवाद का मिलेगा स्वर्णिम अवसर

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

खनियाधाना विकासखंड में शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की गणितीय दक्षता, त्वरित गणना क्षमता एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष पहाड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचारपूर्ण और प्रेरणादायी पहल के रूप में सामने आ रही है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए खनियाधाना बीआरसीसी संजय भदोरिया ने बताया कि। प्रतियोगिता का प्रथम चरण विकासखंड के शासकीय विद्यालयो में 27 दिसंबर 2025 को विद्यालय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। विद्यालय स्तर से चयनित प्रतिभागी 6जनवरी 2025 को संबंधित जन शिक्षा केंद्र पर आयोजित प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। जन शिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी संबंधित जन शिक्षा केंद्र के सीएसी (CAC) रहेंगे, जिनके मार्गदर्शन एवं समन्वय में प्रतियोगिता संपन्न कराई जाएगी। इस स्तर पर प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से तीन-तीन विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें ब्लॉक स्तर के लिए भेजा जाएगा। इसके पश्चात 10 जनवरी 2026 को ब्लॉक स्तरीय मुख्य पहाड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। ब्लॉक स्तर की इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का संचालन एवं मूल्यांकन खनियाधाना विकासखंड के बीएसी,, सीएसी तथा विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के पैनल द्वारा किया जाएगा, जो पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ प्रतियोगिता को संपादित कराएंगे।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप फाइव छात्र-छात्राओं को पहाड़ा प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया जाएगा। इस संपूर्ण प्रतियोगिता में प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र से आदिवासी छात्र-छात्राओं को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा ब्लॉक मुख्यालय पर होने वाली प्रतियोगिता में भी आदिवासी छात्र चयनित होकर आए इसका विशेष प्रयास रहेगा इस अवसर पर ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह जी सिकरवार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनकी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपूर्ण प्रतियोगिता का सफल संचालन किया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह एवं आत्मविश्वास और अधिक बढ़ेगा। प्रतियोगिता का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहेगा कि चयनित विजेता छात्र-छात्राओं एवं उनकी तैयारी कराने वाले शिक्षकों को श्रीमान कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत शिवपुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के साथ चाय पर चर्चा करने का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान विजेता छात्र और उनके मार्गदर्शन शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत, अपने अनुभव और सुझाव सीधे जिला प्रशासन के समक्ष साझा करेंगे इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री विवेक श्रीवास्तव एवं जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह जी सिकरवार भी उपस्थित रहेंगे इसके अतिरिक्त, विजेता विद्यार्थियों को बीआरसीसी कार्यालय, खनियाधाना की ओर से प्रमाण पत्र, शील्ड एवं उपहार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्हें शिवपुरी जिला मुख्यालय ले जाकर कलेक्टर महोदय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय के साथ विशेष बैठक में सम्मिलित कराया जाएगा, जो उनके लिए एक गौरवपूर्ण पल होगा यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करेगी, बल्कि प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सीईओ नरवरिया ने किया सुशासन सप्ताह का शुभारंभ मौके पर किया समस्याओं का निराकरण

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर(शिवपुरी) - जनपद पंचायत पिछोर अंतर्गत ग्राम पंचायत पटसेरा में शुक्रवार दोपहर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवपुरी एनएस नरवरिया द्वारा केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी अभियान सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया गया इस मौके पर ग्राम पंचायत पटसेरा के पंचायत भवन कार्यालय पर पहुंचे सीईओ नरवरिया ने महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम में प्रमुख तौर पर पंचायत सचिव अजब सिंह लोधी ने बताया कि सीपीग्राम पोर्टल एवं सीएम हेल्पलाइन पर लंबित जनशिकायतों के निवारण एवं सेवा वितरण में सुधार के लिये प्रशासन गांव की ओर राष्ट्रव्यापी अभियान दिनांक 19 से 25 दिसंबर तक प्रत्येक जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाना है उन्होंने कहा कि हमें सुशासन सप्ताह के अंतर्गत इन गतिविधियों को आयोजित कराया जाना सुनिश्चित करना है जिसमें विशेष शिविरों में हितग्राहीमूलक हितलाभ वितरित एवं आवेदनों का निराकरण सहित सुशासन की प्रथाओं का संकलन करना और उन्हें आवश्यक चित्रों के साथ पोर्टल पर प्रसारित और साझा करना है इसके अलावा जन शिकायतों के समाधान की सफलता की कहानियां संकलित की जाना है पटसेरा में आयोजित उक्त शुभारंभ कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरवरिया द्वारा सीपीग्राम पोर्टल पर पर दर्ज शिकायत का निराकरण भी किया गया साथ ही तीन हितग्राहियों की पेंशन को स्वीकृत करने का काम किया गया वही संबल योजना अंतर्गत पटवारी को जमीन संबंधी जानकारी शीघ्र हितग्राही को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

कार्यक्रम के उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नरवरिया ने पटसेरा में स्थित शांति धाम में पहुंचकर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री तथा पंचायत मंत्री की मंसा अनुसार सुव्यवस्थित एवं सर्व सुविधा युक्त शांतिधाम परिसर का निर्माण एवं विकास कराया जाना सुनिश्चित करें इस मौके पर पंचायत सरपंच श्रीमती उर्मिला यादव सहायक यंत्री शशिपाल सिंह नैन,एडीओ सत्येंद्र झा, सहायक सचिव बृजेश झा, शिक्षक सुनील गुप्ता तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कॉलेज चलो अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को वर्ष 2026-27 में प्रवेश हेतु विभिन्न जानकारियां दी जा रही

दिलीप पाटीदार

धार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धार में प्रवेश हेतु कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। प्राचार्य डॉ एसएस बघेल एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आयशा खान, नोडल अधिकारी एईडीपी डॉ प्रभा सोनी के विशेष मार्गदर्शन में कॉलेज चलो अभियान चलाया जा रहा है। इसमें शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय में जाकर छात्र-छात्राओं को मई जून वर्ष 2026-27 में प्रवेश हेतु विभिन्न जानकारियां दी जा रही है। जिसमें महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी बताया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉक्टर निर्भय सिंह सोलंकी ने बताया कि महाविद्यालय में एक बड़ा खेल का मैदान, एक बड़ी लाइब्रेरी, साइंस विषय के लिए प्रयोगशाला, तीन बड़े गार्डन, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, एनसीसी कैरियर

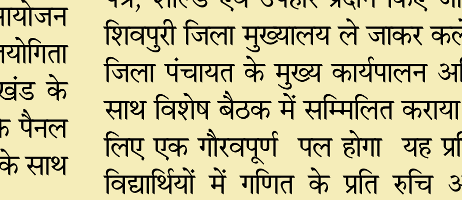

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, दी जाने वाली छात्रवृतियां, आवास योजना, स्मार्ट क्लासेस, बालक बालिका छात्रावास, एक बड़ा ऑडिटोरियम हॉल, आर ओ द्वारा सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से पेयजल की व्यवस्था व पी एचडी शोध केंद्र हैं। स्नातक स्तर पर गणित समूह में गणित भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक, विज्ञान संकाय में वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, कला संकाय में हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत, उर्दू, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, चित्रकला, मनोविज्ञान, वाणिज्य संकाय में बीकॉम प्लेन बीकॉम, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में एमएससी रसायन शास्त्र, प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, एम ए एम ए हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, संस्कृत, एमएसडब्ल्यू एम कॉम वोकेशनल सब्जेक्ट, फर्स्ट ईयर में पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, ऑर्गेनिक फार्मिंग, डिजिटल मार्केटिंग, वेब डिजाइनिंग, टूरिज्म, वर्मी कंपोस्टिंग, इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजी, एमडीसी साइंस ग्रुप में बिहेवियर साइकोलॉजी, आर्ट ग्रुप में एनवायरनमेंट साइंस, कॉमर्स ग्रुप में इकोनॉमिक्स आदि विषय उपलब्ध है।

इसी के साथ ही समय-समय पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की संगोष्ठियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिससे उनके व्यक्तित्व में विकास हो सके, पढ़ाई के अलावा भी संपूर्ण विकास के लिए अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जाती है। खेलकूद के माध्यम से यहां के छात्र राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना अच्छा प्रदर्शन करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित युवाओं का निर्माण किया जाता है और यहां के छात्र छात्रा राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न नेतृत्व शिविरों में भाग लेते हैं। कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। जिससे छात्र छात्राओं को और भी अन्य गतिविधियो के माध्यम से अपनी स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रेरित किया जाता है। समय-समय पर विभिन्न विभागों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया जाता है। एनसीसी के माध्यम से नेवी में आर्मी में और एयरफोर्स में पुलिस डिपार्टमेंट में छात्र-छात्राओं का चयन होता है जो राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। इस संपूर्ण अभियान में त्रिलोक भवेल ओम प्रकाश सोलंकी डॉ नम्रता खुराना आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रणजीत टाइम्स न्यूज़ कार्यालय में सह संपादक दीपक वाडेकर जी का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इंदौर। **रणजीत टाइम्स न्यूज़ कार्यालय में सह संपादक श्री दीपक वाडेकर जी का जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम, उत्साह और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय में शुभकामनाओं का तांता लगा रहा और सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।** जन्मदिवस कार्यक्रम में विशेष रूप से राजेश धाकड़, नितिन बामदले, बंटी सिसोदिया, शैलेश वर्मा, अमित वर्मा, सुमित जी सहित रणजीत टाइम्स परिवार के कई सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने दीपक वाडेकर जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर, केक काटकर और आत्मीय शब्दों में शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक श्री गोपाल गावंडे जी ने दीपक वाडेकर जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि "दीपक वाडेकर जी का पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान सराहनीय है। उनकी मेहनत, निष्ठा और सकारात्मक सोच रणजीत टाइम्स परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है। हम उनके दीर्घायु और निरंतर प्रगति की कामना करते हैं।" कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और रणजीत टाइम्स परिवार की एकजुटता को दर्शाया।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई अभियान

बिना हेलमेट 531 वाहन चालकों पर कार्यवाही सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को रोकने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर जागरूकता एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 531 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालान कार्रवाई की गई। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा हेतु हेलमेट का सदैव उपयोग करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

नो एंट्री का उल्लंघन करने वालों पर इंदौर पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी...

15 भारी वाहनों के विरुद्ध की गई चालानी कार्यवाही

इंदौर - शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रबंधन का कार्य एवं नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। इसी अनुक्रम में कल दिनांक 18 दिसंबर की सुबह से आज 19 दिसंबर की सुबह तक नो एंट्री में भारी वाहनों को लाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध, इंदौर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 15 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर 75000/- रुपये का समन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा कराया। साथ ही उन्हें हिदायत भी दी गई कि प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें।

मिल क्षेत्र के मज़दूरों का भरोसा

संघर्ष और सम्मान का नाम हरनाम सिंह धालीवाल

योगेश शाक्यवार (अक्षत)

इंदौर। मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर का दो नंबर विधानसभा क्षेत्र, जिसे आम तौर पर मिल क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, कभी अपने अलग ही कारणों से चर्चित रहा है। एक समय यह इलाका दादा और बहादुरों के लिए फेमस माना जाता था, लेकिन वक्त के साथ इस क्षेत्र की पहचान बदलती चली गई। आज यह इलाका संघर्ष, मेहनत और मज़दूरों के हक की लड़ाई का प्रतीक बन चुका है। इसी बदलाव की कहानी के केंद्र में एक ऐसा नाम है, जिसे यहां के मज़दूर मसीहा के रूप में याद करते हैं। यह नाम है इंटक के वरिष्ठ नेता हरनाम सिंह धालीवाल का, जिनका जन्मदिन बिते कल 21 दिसम्बर को मनाया गया । इस अवसर पर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

»» हरनाम सिंह धालीवाल उन गिने-चुने लोगों में शामिल हैं, जो धमकी और डर की राजनीति से नहीं, बल्कि प्यार, अपनत्व और स्नेह से लोगों को अपना बनाते हैं। मिल क्षेत्र के मज़दूरों के लिए वह सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह हैं। हुकुमचंद मिल के किसी भी पुराने या वर्तमान मज़दूर से अगर पूछा जाए, तो जवाब लगभग एक जैसा ही मिलता है। मज़दूर कहते हैं कि हमारे दो भगवान हैं, एक ऊपर वाला और दूसरा हरनाम भैया। यह बात सिर्फ भावनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे तीन दशक से ज्यादा लंबा संघर्ष और त्याग छुपा हुआ है।

»» इस संघर्ष की शुरुआत वर्ष 1991 में हुई, जब हुकुमचंद मिल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। उस दौर में हजारों मज़दूरों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया था। इसी समय इंटक के तत्कालीन अध्यक्ष विष्णु उस्ताद काशिद जी ने कोर्ट में मज़दूरों के हक के लिए मामला दायर किया और इस केस में अपने साथी के रूप में हरनाम सिंह धालीवाल को शामिल किया। उस्ताद जी ने उस समय धालीवाल से साफ शब्दों में कहा था कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, हो सकता है मैं ज्यादा दिन न रहूं, लेकिन चाहे मैं रहूं या न रहूं, इन मज़दूरों को उनका हक हर हाल में मिलना चाहिए।

»» उस्ताद जी को यह भरोसा था कि उनके बाद अगर कोई एक व्यक्ति इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचा सकता है, तो वह हरनाम सिंह धालीवाल ही हैं। यह भरोसा यूं ही नहीं था। उस्ताद जी के जाने के बाद हरनाम धालीवाल ने अकेले कंधों पर इस भारी जिम्मेदारी को उठाया। उन्हें वक्त जरूर लगा, मुश्किलें आईं, सरकारें बदलीं, फाइलें चलीं, बयानबाजी हुई और कई बार ऐसा लगा कि यह लड़ाई शायद कभी पूरी नहीं हो पाएगी। लेकिन हरनाम धालीवाल अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे।

मज़दूरों का यह मामला धीरे-धीरे बड़ा होता गया और इसकी गूंज प्रधानमंत्री तक पहुंची

पहुंचना भी जरूरी था, क्योंकि यह सिर्फ किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हजारों मज़दूर परिवारों के भविष्य का सवाल था। सरकारों ने इस मुद्दे पर खूब वाहवाही भी लूटी, लेकिन असल लड़ाई जमीन पर हरनाम धालीवाल ही लड़ते रहे। आखिरकार वह दिन भी आया, जब मज़दूरों को उनका हक मिला। जब मज़दूरों के खाते में पैसा पहुंचा, तो यकीनन स्वर्ग में बैठे विष्णु उस्ताद काशिद जी से ज्यादा खुश कोई नहीं रहा होगा।

»» आज उस्ताद जी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका सपना, उनकी लड़ाई और उनका भरोसा हरनाम सिंह धालीवाल के रूप में जिंदा है। मिल क्षेत्र के मज़दूर आज भी यही कहते हैं कि मज़दूर मज़दूर भाई-भाई लेकर रहेंगे, पाई-पाई का हिसाब होगा और हक की लड़ाई कभी कमजोर नहीं पड़ेगी। हरनाम सिंह धालीवाल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची नीयत, धैर्य और संघर्ष के दम पर सबसे कठिन लड़ाई भी जीती जा सकती है।

विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

महू. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संकाय भवन, मुख्य भवन में जो कक्ष है वो जर्जर हो गए हैं, कभी भी कोई हादसा हो सकता है, खिड़की, दरवाजे टूटे हुए है, दिवालों का रंग काला हो गया है, अभाविप विश्वविद्यालय प्रशासन से 7 दिवस के अंदर मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग करता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बार बार ज्ञापन के माध्यम से अवगत किया गया है कि फैकल्टी समय का पालन नहीं कर रही परंतु प्रशासन ने गैर जिम्मेदार फैकल्टीपर कोई भी कार्यवाही नहीं की अभाविप मांग करता है कि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बालक एवं बालिका छात्रावास में निवासरत सभी विद्यार्थियों के पुनः दस्तावेज सत्यापित किया जाए विद्यार्थी परिषद के पास साक्ष्य है कि इंदौर जिले के होने के बावजूद कुछ विद्यार्थियों को हॉस्टल में कक्ष दिया गया है अभाविप बार बार मांग कर चुका है कि विश्वविद्यालय परिसर बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश निषेध किया जाए, एवं परिचय पत्र अनिवार्य किया जाए परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लगातार इन विषयों पर लापरवाही बरती जा रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मांग करता है कि सभी विद्यार्थियों को आईडी कार्ड इशू करे जाए एवं सात दिवस के अंदर इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए।

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में लगातार अनियमिता हो रही हैं परीक्षा में देरी परिणाम में देरी एवं अन्य प्रकार की अनियमिताएं भी सामने आ रही है विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग है कि परीक्षा विभाग में परमानेंट सहायक कुल सचिव को प्रभार दिया जाए जो मांग पूर्व में भी की जांच की है, परंतु विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार लापरवाही करता दिखाई दे रहा है खेल गतिविधि के नाम पर प्रति वर्ष स्पोर्ट्स फीस ली जाती है परंतु परिसर में किसी भी प्रकार की खेल गतिविधि का आयोजन नहीं होता है ना ही विश्वविद्यालय के पास किसी भी प्रकार की खेल सामग्री है, विद्यार्थी परिषद मांग करता है कि विद्यार्थियों को इस माह से ही खेल सुविधा उपलब्ध कराई जाए.जिस भी विषय के परीक्षा परिणाम आना बाकी है उन विषयों के परिणाम घोषित किए जाए।

विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय प्रशासन से चार्ट बनाने की मांग करता है जिससे यह ज्ञात हो जाए एवं निश्चित किया जा सके कि किसी भी कार्य को करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन में क्या प्रक्रिया एवं अवधि लगेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों से ली जाने वाली ग्रुप इंश्योरेंस फी 1815 प्रत्येक विद्यार्थी का विवरण विद्यार्थी परिषद को दिया जाए उसे शुल्क का किस कंपनी के माध्यम से प्रयोग किया जा रहा है। अतः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यह मांग करता है कि इन सभी बिंदुओं पर सप्ताह भर में कारवाही कर छात्र हित में उचित कदम उठाए जाएं अन्यथा विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की रहेगी।

मुख्य भाग-प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत आवेदन मार्च 2026 तक

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन संबंधी प्रेसवार्ता सम्पन्न

शहडोल प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जनजागरूकता हेतु प्रेस कॉन्फ्रेंस कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। प्रेसवार्ता में इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड के जबलपुर हेड श्री समीर शुक्ला ने बताया कि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गए है। उन्होंने बताया कि आवेदन नजदीकी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप जाकर, ऑनलाइन pmuy.gov.in एवं नजदीकी सीएससी सेंटर के माध्यम से कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए गरीब परिवारों की महिलाएँ, जिनके परिवार में पहले से कोई एलपीजी कनेक्शन न हो, आवेदक की पात्रता, वंचना, घोषणा पत्र के आधार पर तय की जाएगी और जिला उज्ज्वला समिति द्वारा सत्यापित की जाएगी। योजना के लिए ईकेवाईसी फॉर्म (फोटो सहित) (आवेदनसमस्त एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटरशिप पर उपलब्ध है, निवास प्रमाण पीओए' (यदि आधार का निवास स्थान वर्तमान पते से अलग हो), परिवार संरचना दस्तावेज ' (राशन कार्ड/राज्य शासन दारा जारी प्रमाण पत्र, दस्तावेज), आवेदक तथा परिवार के सभी वयस्क सदस्यों का आधार, बैंक खाता का विवरण, वंचना घोषणा पत्र, प्रवासी परिवारों के लिए पीओए और परिवार संरचना दस्तावेज़ हेतु स्व-घोषणा पत्र दस्तावेज आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 25 लाख अतिरिक्त निः शुल्क एलपीजी कनेक्शन स्वीकृत किए हैं। इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती रसोई ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता और सशक्त होती है। प्रेसवार्ता में इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड मैनेजर श्री नवीन बिसेन, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवाददाता उपस्थित रहें।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक, आई बी डब्ल्यू 2026 में विशेष रूप से आमंत्रित, प्रदेश के लिए गौरव

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- बाधाओं को चुनौती देने वाले असाधारण एथलीट, पैरा-एम्प्युटी फुटबॉलर और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक, प्रमोद धनेले, को उनके बहु-खेल कौशल और अदम्य भावना के कारण लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनके प्रेरणादायक सफर को देखते हुए, उन्हें इंडिया बाइक वीक (आई बी डब्ल्यू) 2026 के आयोजकों द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। धनेले, मध्य प्रदेश से इस इवेंट में भाग लेने वाले पहले पैरा-एम्प्युटी राइडर बनकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं। आई बी डब्ल्यू 2026 का भव्य आयोजन पंचगनी, महाराष्ट्र के दुबाश एयरफ़ील्ड में होगा।

प्रतिबद्धता और उपलब्धियों का सफर

एक गंभीर दुर्घटना में अपना पैर खोने के बावजूद, प्रमोद धनेले ने हार नहीं मानी। फुटबॉल के राष्ट्रीय गौरव से लेकर योग की एकाग्रता और कार रैली की रफ्तार तक, उनकी उपलब्धियाँ असाधारण हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

रिकॉर्ड ब्रेकिंग राइडः इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के तहत कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4320 किलोमीटर की ऐतिहासिक 'दिव्यांग सशक्तीकरण खेल यात्रा' सफलतापूर्वक पूरी की। पैरा-एम्प्युटी फुटबॉलः उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप 2024 में रजत पदक और 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त किया। पैरा योगासन मे स्टेट चैंपियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया। सितंबर 2025 में दिल्ली में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में 11वीं रैंक हासिल की। मोटरस्पोर्ट्स (कार रैली) द आगरा ताज कार रैली (फरवरी 2025) में भाग लिया और प्रभावशाली 8वीं पोजीशन प्राप्त की। आई बी डब्ल्यू 2026 में ऐतिहासिक भागीदारीः 'राइडिंग स्पिरिट' का सम्मान इंडिया बाइक वीक (आई बी डब्ल्यू) एशिया का सबसे बड़ा और सबसे प्रतिष्ठित मोटरबाइक फेस्टिवल है, जो गति, साहस और

सामुदायिक भावना का प्रतीक है। आयोजकों द्वारा श्री धनेले को दिया गया विशेष आमंत्रण, उनकी 'राइडिंग स्पिरिट' और लाखों लोगों को प्रेरित करने की उनकी क्षमता को मान्यता देता है। प्रमोद धनेले ने आई बी डब्ल्यू में अपनी भागीदारी पर कहाः "आई बी डब्ल्यू सिर्फ बाइकर्स का जमावड़ा नहीं है, यह स्वतंत्रता और अदम्य भावना का उत्सव है। मध्य प्रदेश से पहला पैरा-एम्प्युटी राइडर बनकर इस मंच पर आना मेरे लिए सम्मान की बात है। मेरा उद्देश्य आई बी डब्ल्यू के माध्यम से यह साबित करना है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी भौतिक बाधा आपके सपनों को रोक नहीं सकती। यह आमंत्रण दर्शाता है कि राइडिंग समुदाय दिव्यांगता नहीं, बल्कि जुनून देखता है।" धनेले की यह ऐतिहासिक भागीदारी, दिव्यांग सशक्तीकरण के उनके मिशन को नई गति देगी।

ध्यान आनंद की अनुपम अवस्था है जिसे प्रत्येक व्यक्ति प्राप्त कर सकता है

रणजीत टाइम्स

भारत देश योग भूमि है योग साधना कर ध्यान करना यहां की प्राचीन परंपरा रही है संपूर्ण भारतीय तत्वज्ञान और दर्शनशास्त्र योग द्वारा ब्रह्म शक्ति से तादात्म्य पाकर ध्यान अर्थात निर्विचार समाधि प्राप्त करने की कला सिखाता है। हमारे भारतीय तत्वज्ञान के चार प्रमुख मंत्र वाक्य हैं 'अहम् ब्रह्मास्मि', 'अयमात्मा ब्रह्म', 'तत्वमसि' और 'सर्वं खल्विदं ब्राह्मासि'।

परम पूज्य श्री माताजी प्रणीत सहज योग हमें ध्यान करने की कला सिखाता है। पतंजलि ऋषि कहते हैं, 'योगाः चित्तवृत्ति निरोधाः' अर्थात चित्तवृत्ति को नियंत्रित कर उन चित्तवृत्तियों को ब्रह्म शक्ति में लीन करना ही ध्यान है। सहज योग में जब साधक को आत्म साक्षात्कार प्राप्त होता है तब उस साधक के चित्त में आने वाले भूतकाल के विचार जो उसकी ईड़ा नाड़ी से आ रहे हैं और भविष्य काल के विचार जो उसकी पिंगला नाड़ी से आ रहे हैं वे सारे विचार शांत हो जाते हैं क्योंकि उसकी ये दोनों नाड़ियां मध्य सुषुम्ना नाड़ी जो रीढ़ की हड्डी के अंतःस्थित हैं जिसे ब्रह्म नाड़ी भी कहा गया है उसमें विलीन हो जाती हैं और उस साधक के पिंड में स्थित कुंडलिनी शक्ति जो प्राण शक्ति है जीवनी शक्ति है वह उर्ध्वगामी बनकर उसके ब्रह्म रंध्र को छेद कर उसे निर्विचार अवस्था प्रदान करती है यही सच्चा ज्ञान है। ध्यान में स्थित साधक उस ब्रह्म शक्ति से अद्वैत स्थापित करता है और इस प्रकार के नियमित ध्यान अभ्यास से वह धीरे-धीरे अपने सारे षडरिपुओं से छूटकर ब्रह्मानंद में लीन होता है। यह ज्ञान अनुभव एक अनुपम सुंदर अवस्था है जिसे हर कोई प्राप्त कर सकता है। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध संत श्री ज्ञानेश्वर जी कहते हैं, 'जग ही उसकी वस्तुप्रभा' अर्थात व ब्रह्म शक्ति संपूर्ण ब्रह्मांड में विराजित है और यह भौतिक चक्र उस चैतन्य शक्ति का प्रकृटीकरण है। ऐसा होते हुए भी हम देखते हैं कि हमारा जीवन अनेक समस्याओं से भरा पड़ा है उन सारी समस्याओं से निजात पाने का एक ही उपाय है वह है उस ब्रह्म शक्ति से एकाकारिता

ध्यान की शक्ति को प्रमाणित करता है विश्व द्वारा ध्यान दिवस का आयोजन । हमें प्रण लेना चाहिए कि हम हमारा आत्म साक्षात्कार पाकर उसे ब्रह्म शक्ति से एकाकारिता स्थापित करें और भारतीय तत्व ज्ञान में वर्णित मंत्र वाक्यों को आत्मसात करें। और अपने जीवन को प्रेम, वात्सल्य, करुणा, समाधान, निर्भयता, भक्ति और समर्पण जैसी दैवीय संपदाओं सुसज्जित करें। तो आइए ज्ञान की कला सीखते हैं सहज योग के माध्यम से। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है। अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 18002700800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

नायक समाज के युवा योगेश चौहान जी, रवि नायक और रोहन नायक, परिवार जन की सहायता के लिए निस्वार्थ भाव से आगे आए!

दीपक वाड़ेकर

सह संपादक

देपालपुर के ग्राम फरकोदा मे रहने वाले समदरसिंह भाटी जिनके बेटे विशाल भाटी की 18 दिसम्बर 2025 को दो बाइक आपस मे टकराने से गंभीर एक्सीडेंट हो गया था! इस एक्सीडेंट से विशाल भाटी की स्थिति नाजुक हो गई! परिवार जन ने आपातकालीन स्थिति के चलते विशाल भाटी को इंदौर के गोकुलदास हॉस्पिटल मे ICU मे भर्ती करवा दिया! जहाँ विशाल भाटी को हॉस्पिटल मे भर्ती करते हीं लाख रू का बिल बन गया! जबकि परिवार जन की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है! जो हॉस्पिटल का लाखो रूपये का खर्च उठाने मे असमर्थ थे! पर जैसे हीं नायक समाज के युवा योगेश चौहान जी और क्षत्रिय नायक समाज के नगर अध्यक्ष रोहन नायक और भाई रवि नायक को खबर लगी वो तत्काल गोकुलदास हॉस्पिटल पहुचे और विशाल भाटी की स्थिति देखी और परिवार जन से बात करी! परिवार जन ने बताया के यहां पर आयुष्मान कार्ड भी नहीं लग रहा है और बिल लाखो मे जा रहा है! योगेश चौहान जी और रोहन नायक जी ने तत्काल इंडेक्स हॉस्पिल कॉल किया और इंडेक्स हॉस्पिटल मे आयुष्मान कार्ड लगवाया और तत्काल विशाल भाटी को गोकुलदास हॉस्पिटल से रेफर करके इंडेक्स हॉस्पिटल मे ICU वार्ड मे भर्ती करवाया और इलाज शुरू करवाया! योगेश चौहान जी / रोहन नायक और रवि नायक की इस निस्वार्थ भाव समाज जन के प्रति सेवा देख कर विशाल भाटी के परिवार जन ने धन्यवाद व्यक्त किया!

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़्बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

रंजीत टाइम्स » » खंडवा

सिटी कोतवाली के अंतर्गत आने वाली रामनगर चौकी के चौकी प्रभारी श्री बांसुरे साहब द्वारा रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे जी को संस्थान के 10 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई प्रदान की गईं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025 से 29 दिसम्बर 2025 तक

रंजीत टाइम्स »» खंडवा

खंडवा कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता जी ने रणजीत टाइम्स न्यूज़ के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चैनल के प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।उन्होंने रणजीत टाइम्स द्वारा विगत दस वर्षों से की जा रही निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि प्रधान संपादक श्री गोपाल गावड़े जी के नेतृत्व में चैनल ने समाज को जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया है। साथ ही उन्होंने रणजीत परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रंजीत टाइम्स »» खंडवा

श्री मनोज कुमार राय पुलिस अधीक्षक, खंडवा की ओर से रणजीत टाइम्स के 10 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर प्रधान संपादक श्री गोपाल गावंडे जी एवं समस्त रणजीत टाइम्स परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर समर्पित एवं निष्पक्ष योगदान सराहनीय है। आशा है भविष्य में भी आप समाजहित में इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे।

रंजीत टाइम्स »» खंडवा

खंडवा महिला थाना प्रभारी सुलोचना गहलोद ने दी बधाई खंडवा महिला थाना प्रभारी श्री सुलोचना गहलोद ने रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक को संस्था के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रणजीत टाइम्स ने बीते एक दशक में निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह जनहित में उत्कृष्ट कार्य करते रहने की कामना की।

सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल

जयेन्द्र सिंह धालीवाल

सर्वहारा नगर में मानवता के अभियान को दी मजबूत दिशा

योगेश शाक्यवार (अक्षत)

इंदौर। जब समाज पर संकट आता है, तब कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हालात से मुंह मोड़ने के बजाय आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाते हैं और दूसरों के लिए मिसाल बन जाते हैं। सर्वहारा नगर में अनिका शर्मा की मदद के लिए चलाए गए मानवीय सहयोग अभियान में यूथ कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र 2 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 23, 24, 25 और 26 के ब्लॉक अध्यक्ष जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने जिस संवेदनशीलता, नेतृत्व और समर्पण के साथ भूमिका निभाई, उसने उन्हें क्षेत्र में मानवता का मजबूत चेहरा बना दिया। उनके साथ सर्वहारा नगर के जागरूक रहवासियों और साथियों ने कंधे से कंधा मिलाकर इस अभियान को सफल बनाया। जैसे ही अनिका शर्मा की गंभीर स्थिति की जानकारी मिली, जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने बिना किसी औपचारिकता के अपने साथियों और क्षेत्र के युवाओं से संवाद शुरू किया और तत्काल सहायता अभियान को संगठित रूप दिया। उन्होंने युवाओं को एक मंच पर जोड़ते हुए यह भावना पैदा की कि यह संघर्ष किसी एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उनके नेतृत्व में युवाओं ने आपसी सहयोग से चंदा एकत्र किया और जरूरतमंद परिवार तक सहायता पहुंचाई, जिससे यह संदेश गया कि समाज आज भी संवेदनशील और जागरूक है।

इस अभियान में सर्वहारा नगर के स्थानीय रहवासी और अधिवक्ता प्रवीण सोनोटिया, युवा साथी शुभम गुप्ता, राज माठे, बंटी, दक्ष सहित अनेक नगरवासी लगातार साथ बने रहे। सभी ने अपने-अपने स्तर पर सहयोग करते हुए समय, संसाधन और भावनात्मक संबल प्रदान किया। प्रवीण सोनोटिया ने कहा कि इस तरह की पहल समाज को जोड़ने का काम करती है और जरूरतमंद परिवार को यह भरोसा देती है कि वे अकेले नहीं हैं। वहीं शुभम गुप्ता और राज माठे ने कहा कि जयेन्द्र सिंह धालीवाल के नेतृत्व में युवाओं को एक सकारात्मक दिशा मिली और सभी ने पूरे मन से इस मानवीय प्रयास में भाग लिया।

जयेन्द्र सिंह धालीवाल ने कहा

»» समाज में रहने का असली अर्थ तभी है, जब हम एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझें और संकट की घड़ी में बिना किसी स्वार्थ के साथ खड़े हों।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे और आत्मबल का प्रतीक है, जो समाज एक जरूरतमंद परिवार को देता है। उनके विचारों और व्यवहार ने युवाओं के साथ-साथ छोटे बच्चों में भी सेवा और संवेदनशीलता के संस्कार मजबूत किए।

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है

»» जयेन्द्र सिंह धालीवाल की भूमिका केवल एक संगठनात्मक पद तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने एक मार्गदर्शक की तरह युवाओं और नगरवासियों को प्रेरित किया। उनके संयम, संवाद क्षमता और सकारात्मक सोच के चलते यह अभियान सफल हो सका। साथियों और नगरवासियों की एकजुटता ने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व सही दिशा देता है, तो समाज मिलकर हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकता है।

सर्वहारा नगर के रहवासियों ने जयेन्द्र सिंह धालीवाल सहित सभी साथियों प्रवीण सोनोटिया, शुभम गुप्ता, राज माठे, बंटी, दक्ष और अन्य नगरवासियों की खुले दिल से सराहना की। लोगों का कहना है कि इस मानवीय प्रयास से न केवल अनिका शर्मा और उनके परिवार को राहत मिली, बल्कि पूरे क्षेत्र में इंसानियत, भाईचारे और सामाजिक जिम्मेदारी का मजबूत संदेश भी गया। यह पहल आने वाले समय में समाज के लिए प्रेरणा बनकर याद रखी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)